जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड

(जन–सम्पर्क अनुभाग)

(प्रेस विज्ञप्ति)

विद्युत उपभोक्ताओं की समस्याओं के त्वरित समाधान को सर्वोच्च प्राथमिकता दें –कुंजीलाल मीणा

जयपुर, 14 मार्च। श्री कुंजीलाल मीणा ने विद्युत वितरण निगमों के अध्यक्ष का पदभार ग्रहण करने के बाद पहली बार आज शासन सचिवालय में वीडियों कान्फ्रेंसिग के माध्यम से विद्युत वितरण निगमों के सभी वृतों के अधिकारियों से विद्युत निगमों की विभिन्न योजनाओं सहित विद्युत आपूर्ति, विद्युत छीजत एवं राजस्व वसूली की प्रगति की जानकारी ली एवं निर्देश दिए कि सभी अधिकारी समन्वित प्रयास से चालू वित्तीय वर्ष के निर्धारित विभिन्न लक्ष्यों सहित बकाया राशि की वसूली के लक्ष्य को समय पर पूरा करने के लिए जी तोड़ मेहनत करें। उन्होनें कहा कि समस्या समाधान शिविरों के माध्यम से बिजली उपभोक्ताओं की समस्याओं के त्वरित समाधान को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए उपभोक्ताओं को अच्छी सेवाएं प्रदान करें।

श्री कुंजीलाल मीणा ने कहा कि 20 सूत्री कार्यक्रम के तहत शेष रहे कृषि कनेक्शनों को शीघ्र जारी करने एवं जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के लम्बित कनेक्शनों को जारी करने की प्रक्रिया तेज करें। उन्होने अधिकारियों को कहा कि प्रभावी कार्य योजना बनाकर समय से कार्य पूर्ण करें ताकि उपभोक्ताओं की आशा एवं अपेक्षाओं को पूरा किया जा सकें।

उन्होनें अधिकारियों को सावचेत करते हुए कहा कि वे बिना अनुमति के मुख्यालय नही छोड़े एवं अपनी दायित्व का पूरी तन्मयता से निर्वहन करते हुए कड़ी मेहनत से अच्छे परिणाम देवें। श्री मीणा ने कहा कि स्टोर प्रबन्धन में सुधार कर यह सुनिश्चित करें कि प्राथमिकता से ही सामान जारी हों। उन्होने कहा कि खराब मीटर बदलने के लिए समयबद्ध अभियान चलावें।

श्री मीणा ने कहा कि सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के मोबाईल नम्बर की सूची मुख्यालय पर उपलब्ध कराई जाए ताकि आधुनिक तकनीक का सहारा लेकर वाईस–कॉल के जरिये समय–समय पर एक साथ सभी को संदेश भेजा जा सके। उन्होनें अधिकारियों को निर्देश दिये कि सूचना प्रोद्योगिकी का उपयोग करते हुए कनिष्ठ अभियन्ता से लेकर निगम के सभी कार्यालयों में स्थापित कम्प्यूटर पर वेब कैमरा लगवाने की व्यवस्था करवाई जाये ताकि मुख्यालय स्तर पर से वीडियों कान्फ्रेंन्स के माध्यम से उपभोक्ता की समस्या के समाधान सहित अन्य कार्यों की निगरानी की जा सके।

श्री मीणा ने विभिन्न वृतों के अधिकारियों से लम्बित कनेक्शनों को जारी किए जाने की प्रगति की समीक्षा की एवं शीघ्र जारी करने के निर्देश भी दिए। उन्होने अधीक्षण अभियन्ता से सहायक अभियन्ता स्तर तक के अधिकारियों की कार्यकुशलता को ''कार्य प्रदर्शन सूचकांक'' ''केपीआई'' द्वारा आंकलन करने हेतु निर्देशित किया ताकि विभिन्न अधिकारियों के कार्य संपादन में स्वस्थ स्पर्धा द्वारा प्रेरणात्मक प्रगति हो सके एवं उत्कृष्ट कार्य करने वालों को प्रोत्साहित किया जावे एवं जिसका कार्य सबसे खराब हो उसके विरुद्ध विभागीय अनुशासनात्मक कार्यवाही की जावे।

———

प्रेस विज्ञप्ति संख्या– 288/2012